Title : Regarding need to extend the benefits of Seventh National Wage Agreement to the coal workers of Tata Steel.

(v) **Need to extend the benefits of Seventh National Wage Agreement**

to the coal workers of Tata Steel.

श्री चन्द्र ्शेखर दूबे (धन्बाद) : अध्यक्ष महोद्य, देश के तत्कालीन प्रधान मंत्री ्स्वर्गीय श्रीमती इन्दिरा गांधी ने ्वर्ा 1971-73 में को्यला कर्मि्यों की दुर्द्शा को देखते हुए को्यला का रा्ट्रीयकरण कर श्रमिकों के जी्वन ्स्तर को ्सुधारने का ्संकल्प लि्या। इसके तहत पूरे देश के को्यला श्रमिक, जि्समें कैन्टी्य माइन्स में का्र्यरत मजदूर ्भी हैं, के ्वेतन आदि ्भुगतान हेतु रा्ट्रीय को्यला ्वेतन ्समझौता का प्रा्वधान कि्या ग्या जो प्रत्येक पांच ्सालों में को्यला प्रबंधन और रा्ट्रीय मान्यता प्र ाप्त श्रमिक ्संगठनों के ्बीच ्सम्पन्न होता है। अ्भी हाल में ्सात्वां ्वेतन ्समझौता ्सम्पन्न हुआ है, जि्सका ला्भ कोल इंड्िया में का्र्यरत मजदूर को मिल रहा है, परन्तु कैन्टी्य माइन्स चलाने ्वाला टाटा ्स्टील में का्र्यरत को्यला मजदूरों के लिए फर्वरी 2004 एवं दि्सम्बर, 2004 में एक गलत ढंग ्से ्सेटलमेंट कर मजदूरों के ्वेतन तथा अन्य ्सुविधाओं में तीन हि्स्सा का कटौती कर ्भुगतान कि्या जा रहा है, जो ्वेतन ्समझौता नं0 7 के वि्परीत है।

मैं ्सरकार ्से मांग करता हूं कि दोनों ्सेटलमेंट को अ्विलम्ब रद्द कराकर टाटा ्स्टील के को्यला मजदूरों को ्सात्वां ्वेतन ्समझौता का ला्भ दिला्या जा्ये, जि्समें ्समान का्र्य के लिए ्समान ्वेतन के तहत टाटा के मजदूरों को न्या्य मिलें।